अतिक्रमण से कब मुक्त होगा घुघुआ तालाब !

मामला नगर परिषद चुरहट का, सीमांकन के एक वर्ष बाद भी अतिक्रमण से मुक्त नहीं हुआ सरकारी घुघुआ तालाब, बेखबर जिम्मेदार

नवभारत न्यूज

सीधी 20 मई। नगर परिषद चुरहट का घुघुआ तालाब अतिक्रमण से कब मुक्त होगा! सीमांकन के एक वर्ष बाद भी सरकारी घुघुआ तालाब अतिक्रमण से मुक्त नही हुआ और जिम्मेदार बेखबर हैं।

जिले के नगर परिषद चुरहट क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर 13 भटहा स्थित घुघुआ तालाब में अतिक्रमण कर खेती का कार्य करने से इसकी उपयोगिता समाप्त हो गई है। अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा खेती के लिए ट्यूबवेल का खनन भी करा लिया गया है। बताया गया है कि अतिक्रमणकर्ता द्वारा नगर परिषद वार्ड नंबर 13 ग्राम भटहा में स्थित घुघुआ तालाब में खसरा नम्बर 7 करीब 40 डिसमिल में अतिक्रमण कर बाउण्ड्री तान दी गई व तालाब के अंदर अतिक्रमणकर्ता द्वारा बोर कराए हुए है, जिससे खेती का कार्य किया जा रहा है। तालाब के अन्दर अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा तालाब की खुदाई कर मिट्टी का उपयोग अपने लाभ के लिए किया जा रहा है। तालाब की भूमि पर ज्यादातर लोगों द्वारा अतिक्रमण कर रखा गया है।

विगत वर्ष तालाब की जमीन का सीमांकन भी हुआ था फिर भी तालाब को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया गया। तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए नगर परिषद चुरहट द्वारा लाखों रुपए का टेण्डर करा दिया गया है। जब तक तालाब का अतिक्रमण नहीं हटाया जाता तब तक किस तरह का सौंदर्यीकरण होगा, यह लोगों की समझ से परे है। यहां के क्षेत्रीय ग्रामीणों ने कलेक्टर सीधी का ध्यानाकर्षण कराते हुए सरकारी तालाब को अतिक्रमणमुक्त कराने की कार्रवाई की मांग की गई है।

अतिक्रमण नहीं हटा और सौंदर्यीकरण की तैयारी

नगर परिषद चुरहट के वार्ड नं .13 में घुघुआ तालाब में लगभग 40 डिसमिल जमीन पर अतिक्रमण किया गया है जिसकी शिकायत पर गत वर्ष सीमांकन भी कराया गया था, लेकिन सीमांकन उपरांत उक्त तालाब को अतिक्रमण मुक्त नहीं किया गया। बल्कि अब इसी तालाब में सौंदर्यीकरण का कार्य नगर परिषद द्वारा कराने का टेण्डर लगाया गया है। स्थानीय लोगों ने इस ओर जिम्मेवारों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि जब तक तालाब को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया जाता है तब तक इस तालाब में सौंदर्यीकरण कराने का कोई औचित्य नहीं है। अब देखना यह है कि समाचार प्रकाशन के बाद स्थानीय प्रशासन की नींद खुलती है या फिर खर्राटे ही भरते रहेंगे।

कलेक्टर की मंशा पर फिर रहा पानी

जिले के नवागत कलेक्टर विकास मिश्रा ने सीधी जिले की तस्वीर को बदलने का जो मुहिम छेड़ा है, उसके बाद से क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहा है। लेकिन कुछ जगह अभी भी लोगों की आंख नही खुल रही है, जबकि कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा निरन्तर सभी क्षेत्रों में विकास के लिए नित नए प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने तालाबों की सुरक्षा एवं जल स्तर को बढ़ाने के लिए जो मुहिम चलाई है वह चुरहट नगर में प्रभावी रूप से नहीं दिख रही है। नगर वासियों ने समाचार पत्र के माध्यम से कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट कराते हुए घुघुआ तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराने की आवाज उठाई है।

इनका कहना है

आपके माध्यम से जानकारी मिली है, अगर तालाब भूमि पर अतिक्रमण किया गया है तो दोषी व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी एवं तालाब को शीघ्र अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

विकास कुमार आनंद, एसडीएम चुरहट

गर्मी और लू से बचाव के लिए जागरुक रहने की अपील

नवभारत न्यूज

सीधी 20 मई। जिले में लगातार बढ़ रही गर्मी और लू (तापघात) के संभावित प्रभाव को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आमजन के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे आवश्यक सावधानियां अपनाकर स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार गर्मी के मौसम में धूप में निकलते समय हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें। बाहर जाने से पहले भोजन अवश्य करें और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। सिर, गर्दन और कान को गमछे या तौलिये से ढककर ही बाहर निकलें तथा छतरी और धूप के चश्मे का उपयोग करें। अधिक से अधिक पानी एवं अन्य तरल पदार्थों का सेवन करें और घर से बाहर निकलते समय पानी साथ रखें। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई है। उन्हें दोपहर के समय बाहर न जाने दें और समय-समय पर पानी पीने के लिए प्रेरित करें। गर्मी में मौसमी फलों का सेवन करें तथा घर के अंदर ठंडक बनाए रखने के उपाय अपनाएं। स्वास्थ्य विभाग ने कुछ सावधानियां बरतने की भी सलाह दी है। बिना भोजन किए घर से बाहर न निकलें, अत्यधिक धूप में लंबे समय तक खड़े होकर कार्य न करें और भीड़-भाड़ वाले गर्म एवं बंद कमरों से बचें। विभाग ने बताया कि लू लगने पर शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक होना, त्वचा का गर्म और सूखा होना, तेज सिरदर्द, उल्टी या मतली, मांसपेशियों में कमजोरी, सांस फूलना, चक्कर आना और बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। प्राथमिक उपचार के रूप में लू से प्रभावित व्यक्ति को तुरंत छायादार स्थान पर लिटाकर उसके कपड़े ढीले करें और ठंडी हवा दें। यदि व्यक्ति बेहोश हो तो उसे कोई खाद्य या पेय पदार्थ न दें और तत्काल चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करें। होश में होने पर ठंडे पेय पदार्थ, ओआरएस या कच्चे आम का पना दिया जा सकता है। प्रशासन ने जिले के सभी शासकीय अस्पतालों में लू से बचाव और उपचार हेतु कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए हैं। जन-जागरूकता के लिए अस्पताल परिसरों में बचाव संबंधी उपाय प्रदर्शित किए जा रहे हैं। आशा एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को लू प्रभावित मरीजों की जानकारी नियमित रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और लू के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करें।

स्वास्थ्य विभाग ने ये व्यवस्थाएं की सुनिश्चित

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में लू से प्रभावित मरीजों के उपचार के लिए विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। अस्पतालों में छायादार प्रतीक्षा स्थल, पर्याप्त बिस्तर, थर्मामीटर, बीपी मापक यंत्र, ईसीजी मशीन, आइस पैक सहित आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही ओआरएस, आईवी फ्लूड, पैरासिटामोल सहित आवश्यक दवाओं का पर्याप्त भंडारण तथा शुद्ध पेयजल और कूलिंग उपकरणों की व्यवस्था भी की गई है।

तंबाकू निषेध सप्ताह 25 से 31 तक चलेगा

नवभारत न्यूज

सीधी 20 मई। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिले में 25 से 31 मई 2026 तक तम्बाकू निषेध सप्ताह का व्यापक आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 2026 की थीम निकोटिन और तंबाकू की लत का आकर्षण बेनकाब करें रखी गई है।

तंबाकू निषेध सप्ताह का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को तंबाकू व निकोटिन उत्पादों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त जीवनशैली के लिए प्रेरित करना है। सप्ताह के दौरान जागरूकता रैली, शपथ ग्रहण, हस्ताक्षर अभियान, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता सत्र, पोस्टर-निबंध प्रतियोगिता एवं काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बबिता खरे ने बताया कि तंबाकू सेवन कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक एवं फेफड़ों की गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण है। युवाओं को आकर्षक पैकेजिंग एवं भ्रामक प्रचार से निकोटिन की लत लगाई जा रही है जिससे सतर्क रहना जरूरी है। जिला चिकित्सालय के डीईआईसी भवन में संचालित तंबाकू त्याग केन्द्र में तंबाकू छोड़ने के लिए नि:शुल्क परामर्श, काउंसलिंग एवं दवाइयों की सुविधा उपलब्ध है। इच्छुक व्यक्ति केन्द्र में संपर्क कर विशेषज्ञ परामर्श ले सकते हैं।

बरमबाबा ब्लॉक सभी सेक्टरों में कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक आयोजित

नवभारत न्यूज

सीधी 20 मई। ब्लॉक बरमबाबा अंतर्गत विभिन्न सेक्टरों कठौली, कठास, गांधीग्राम, बरमबाब, सेंदुरा, ठेंगरही, सलैहा, खाम्ह एवं सरेंठी सेक्टर की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आज सीधी विस प्रभारी डॉ.विनोद शर्मा की विशेष उपस्थिति एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ज्ञान सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का आयोजन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बरमबाबा के अध्यक्ष सुंदरलाल सिंह द्वारा किया गया।

बैठक में पंचायत कमेटी सदस्यों के सत्यापन, संगठन की मजबूती एवं बूथ स्तर तक कांग्रेस संगठन को सक्रिय बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। विधानसभा प्रभारी डॉ.शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की रीढ़ उसका जमीनी संगठन है और पंचायत स्तर तक मजबूत टीम तैयार कर जनता की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने सभी सेक्टरों में नियमित बैठकें आयोजित करने, जन समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने तथा पार्टी की नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में संगठन को और अधिक सक्रिय एवं जनहित के मुद्दों पर मुखर बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय एवं एकजुटता के साथ कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव किसानों, युवाओं, मजदूरों एवं आमजन के हितों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी संघर्ष जारी रहेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, मंडलम सेक्टर बूथ प्रभारी, पंचायत कमेटी सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एडीआर सेंटर भवन में मिडीएशन की कार्यवाही आज

नवभारत न्यूज

सीधी 20 मई। न्याय को सरल, सुलभ एवं घर-घर तक पहुँचाने तथा आपसी सहमति के माध्यम से विवादों के समाधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाधान समारोह 2026 का आयोजन किया जा रहा है।

उक्त संबंध में उच्च न्यायालय में लंबित पक्षकारों के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाना है। इस अभियान के अंतर्गत 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को सर्वोच्च न्यायालय परिसर में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। इस विशेष लोक अदालत में सर्वोच्च न्यायालय में लंबित विभिन्न श्रेणी के चिन्हित प्रकरण समझौते के आधार पर निराकृत किए जाएंगे। विशेष लोक अदालत में बैंकिंग एवं बीमा, सिविल (दीवानी), मोटर दुर्घटना प्रतिकर, उपभोक्ता एवं सेवा संबंधी, पारिवारिक विवाद, वाणिज्यिक एवं आर्बिट्रेशन, भूमि अधिग्रहण, श्रम एवं औद्योगिक विवाद, स्थानांतरण याचिका सहित ऐसे अन्य प्रकरण शामिल किए जाएंगे जो विधि अनुसार समझौता योग्य हों। उक्त समाधान समारोह में जिला सीधी के प्रकरण चिन्हित किये गए है जिसमें लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु पक्षकारों की मीडिएशन कार्यवाही जिला स्तर पर संपन्न होगी। अत: संबंधित पक्षकारों भूपेन्द्र बहादुर सिंह, राजेन्द्र बहादुर सिंह, बृजेन्द्र बहादुर सिंह, शैलेन्द्र बहादुर सिंह उपेन्द्र बहादुर सिंह, रंजीत सिंह, पूनम लालवानी, संतोष विश्वकर्मा, प्रतिभा सोनी, राधा, डी.एस.परिहार मानव विकास एवं शिक्षा समिति, रजिस्ट्रार अवधेश प्रताप सिह युनिवर्सिटी रीवा से अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथि 21 मई को प्रात: 10:30 बजे से जिला न्यायालय परिसर स्थित एडीआर सेंटर भवन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी में मिडीएशन की कार्यवाही हेतु आवश्यक रूप से उपस्थित हो तथा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज साथ लाए।

रोको-टोको-ठोको क्रांतिकारी मोर्चा संयोजक ने आपराधिक प्रकरण कायम करने लिखा पत्र

नवभारत न्यूज

सीधी 20 मई। टोंको-रोंको-ठोंको क्रांतिकारी मोर्चा के संयोजक उमेश तिवारी ने कलेक्टर सीधी को पत्र लिखकर कार्यवाही की मांग करते हुए कहा है की सीधी शहर के अस्पताल चौक में संचालित प्रताप गैस एजेंसी ने गैस संकट को आपदा में अवसर मान लिया है। जिसके चलते गैस वितरण में भारी अनियमितता और भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

गैस एजेंसी के संचालक की काली कमाई तो छानबीन से उजागर होगी परन्तु एजेंसी के लग्गू-भग्गू करोड़ों में खेलते दिख रहे है। निर्देशित नियम का पालन न करने के कारण गैस उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रताप गैस एजेंसी की बेलगाम भर्रेशाही पर लगाम लगाने हेतु गैस उपभोक्ताओं द्वारा शिकायत भी की जाती है, दंडात्मक कार्यवाही न होने के कारण उपभोक्ताओं में मायूसी एवं नाराजगी है तथा गैस एजेंसी संचालक के हौसले बुलंद है। श्री तिवारी ने शिकायत पत्र देकर कलेक्टर से आग्रह है की शिकायत पत्र में अंकित बिंदुवार अनियमिताओं की जांच कर प्रताप गैस एजेंसी का लाइसेंस निरस्त कराये जाने की कार्यवाही करें और संचालक के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण कायम कराएं।

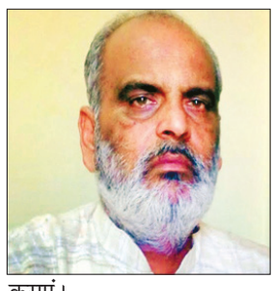

पत्र जो जांच कर कार्यवाही हेतु कलेक्टर को दिया गया है उसमें शामिल बिंदुओं में- गैस बुकिंग के बाद 48 से 72 घंटे के भीतर सिलेंडर की डिलीवरी होना आवश्यक है लेकिन उपभोक्ताओं को कई-कई दिनों एवं सप्ताह तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। जो उपभोक्ता स्वत: गैस एजेंसी के गोदाम से सिलेण्डर प्राप्त कर रहा है तो उससे डिलीवरी शुल्क नहीं लेना चाहिए, किन्तु एजेंसी द्वारा आज तक किसी भी उपभोक्ता को यह लाभ न देकर अवैध उगाही की जा रही है। पिछले लगभग 2 महीनों से एजेंसी द्वारा केवायसी के नाम पर प्रति उपभोक्ता 240 रूपये की अवैध वसूली की जा रही है। हजारों उपभोक्ताओं से राशि वसूली गई, परंतु न कोई रसीद दी गई और न ही कोई वैधानिक जानकारी। जबकि केवायसी प्रक्रिया पूर्णत: नि:शुल्क होती है। प्रताप गैस एजेंसी द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के वास्तविक कनेक्शनधारियों को समय पर गैस सिलेण्डर उपलब्ध नहीं कराया जाता जबकि एजेंसी से जुड़े दलालों एवं अवैध विक्रेताओं को बड़ी मात्रा में सिलेण्डर दिए जाते हैं, जिन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में 2500 से 3000 रूपये तक में बेचा जा रहा है। प्रताप गैस एजेंसी द्वारा जिले भर में ग्रामीण दुकानदारों एवं अवैध विक्रेताओं को सीधे सिलेण्डर उपलब्ध कराकर मनमानी कीमत पर बिक्री कराकर कालाबाजारी की जा रही है जबकि वास्तविक कनेक्शनधारी उपभोक्ता गैस के लिए भटकते रहते हैं। उज्ज्वला योजना के हितग्राहियों के नाम फर्जी बुकिंग दिखाकर सिलेण्डरों को बड़ी कीमत पर ब्लैक किया जाता है। इसके अलावा शिकायत में अन्य बिन्दु भी शामिल हैं।

शिक्षकों की समस्याओं के संबंध में कलेक्टर से मिलेगा संघ का प्रतिनिधिमंडल

नवभारत न्यूज

सीधी 20 मई। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ सीधी के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय ने बताया कि प्रमुख बिंदु सीधी जिला शिक्षा के उच्चतम स्तर को छुए एवं शिक्षकों की समस्याओं को लेकर प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर से मिलेगा और इन्हीं दो बिंदुओं पर चर्चा होगी।

बता दे की कलेक्टर के निर्देश पर 341 सहायक शिक्षक संवर्ग के एवं प्राथमिक माध्यमिक शिक्षकों के भी चतुर्थ क्रमोन्नति आदेश जारी होने पर व्हाट्सएप के माध्यम से जिलाध्यक्ष द्वारा कलेक्टर का आभार व्यक्त किया गया और शेष बचे शिक्षकों का आदेश जारी कराने का अनुरोध किया गया। जिस पर कलेक्टर ने बहुत ही गंभीरतापूर्वक जिलाध्यक्ष के व्हाट्सएप पर दो संदेश दिया गया जिसमें पहले था कृपया वे कार्य करें, जिनके लिए हमें नियुक्त किया गया है और दूसरा संदेश था सीधी (जिला) शिक्षा के उच्चतम स्तर को छुएगा। क्या आप कुछ कर सकते हैं। म.प्र. शिक्षक संघ द्वारा पूर्व से ही इस दिशा मे कार्य कर रहा है जैसे हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान संकल्प यात्रा, हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ परिकल्पना से कार्य करना, स्वामी विवेकानंद जी की जयंती से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के मध्य कर्तव्य बोथ दिवस कार्यक्रम आदि अनेकों कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जिससे निश्चित ही सीधी जिला छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने में अग्रणी रहेगा। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ सीधी का प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर से मिलकर मार्गदर्शन प्राप्त कर और चर्चा कर योजनाबद्ध तरीके से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करेगा, साथ ही शिक्षकों की समस्याओ एवं बार-बार कार्यालय का चक्कर लगाना, परेशान होना उससे भी निजात मिलेगी।

चौपाल का उद्देश्य केवल समस्याएं सुनना नहीं बल्कि उनका समाधान करना भी

नवभारत न्यूज

सीधी 20 मई। ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान और शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से पटपरा में जन चौपाल का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर विकास मिश्रा ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जन चौपाल में ग्रामीणों ने राजस्व, पेयजल, सड़क, बिजली, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं सहित विभिन्न स्थानीय समस्याओं से कलेक्टर को अवगत कराया। कलेक्टर ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने ग्रामीणों को महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि पटपरा में उप तहसील कार्यालय का संचालन प्रारंभ किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को राजस्व संबंधी कार्यों के लिए दूरस्थ स्थानों पर नहीं जाना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर ही सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। साथ ही बचपन अभियान के तहत सीधी शहर के विभिन्न वार्डों से एकत्रित पुराने एवं नए खिलौनों को आंगनवाड़ी केन्द्र के बच्चों को वितरित किया गया। खिलौने पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और कार्यक्रम में आत्मीयता का विशेष माहौल देखने को मिला। उन्होंने कहा कि जन चौपाल का उद्देश्य केवल समस्याएं सुनना नहीं बल्कि उनके समाधान की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करना है। प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

हजारों सहारा निवेशकों की नहीं मिल रही जमा पूंजी, भटकने को मजबूर

पोर्टल में विवरण दर्ज होने के बाद बताया जा रहा अमान्य, निवेशकों की राशि वापस होने की उम्मीदें हो रही धूमिल

नवभारत न्यूज

सीधी 20 मई। देश भर में निवेशकों द्वारा सहारा में कई सौ करोड़ रुपए जमा कराए गए हैं। जिसकी वापसी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा चुनाव से पूर्व सहारा निवेशकों की बड़ी समस्या का समाधान करने के लिए सहारा रिफंड पोर्टल लांच किया गया था। पोर्टल के जरिए सहारा की चार को-ऑपरेटिव सोसायटी के निवेशकों को आवेदन करने को कहा गया था।

उक्त आवेदन के बाद 45 दिन के अंदर संबंधित निवेशक को जमा राशि में 10 हजार रुपए अधिकतम प्रथम किस्त में उसके द्वारा दिए गए बैंक एकाउंट में भेजने की व्यवस्था बनाई गई थी। विडम्बना यह है कि सहारा रिफंड पोर्टल के लांच होने के बाद से सीधी जिले के हजारों निवेशकों द्वारा ऑनलाईन जानकारी भेजी गई साथ ही सहारा द्वारा दिए गए बाण्ड की कांपी भी स्कैन करके लोड कराई गई। सीधी जिले के हजारों निवेशक अपनी जमा पूंजी को पाने के लिए ऑनलाईन आवेदन किए, पर कुछ समय बाद आवेदन करने वाले सभी निवेशकों के मोबाईल पर यह मैसेज आया कि जिस योजना में उनके द्वारा निवेश किया गया है उसका विवरण मैच नहीं कर रहा है। इस वजह से अपने सहारा कार्यालय से संपर्क करें अथवा फिर से बाण्ड के संबंध में पूरी जानकारी ऑनलाईन भेजें। यह सूचना मिलने के बाद हजारों निवेशकों द्वारा दोबारा भी ऑनलाईन अप्लाई किया गया। बावजूद इसके उनके खाते में कोई राशि नहीं भेजी गई।

इस संबंध में अप्लाई करने के बाद निवेशक के मोबाईल नंबर पर यही मैसेज आता है कि उनके बाण्ड के संबंध में यहां कोई जानकारी दर्ज नहीं है। हैरत की बात तो यह है कि इस मामले में सहारा निवेशकों की कोई मदद जिला स्तर से अभी तक करने की कोई व्यवस्था नहीं बनाई गई है। चर्चा के दौरान कुछ निवेशकों ने बताया कि सीधी जिले से हजारों लोग अपने कागजात लेकर ऑनलाईन आवेदन करने के लिए जिला मुख्यालय कई बार आए। ऑनलाईन अप्लाई करने के बाद ही उनके खाते में राशि नहीं आ रही है।

स्थाई रूप से बंद हो चुका है सहारा कार्यालय

जिला मुख्यालय में सहारा का कार्यालय अंतिम समय में स्टेडियम मार्ग में सूखा नाला के ऊपर संचालित था। सालों यहां हमेशा ताला ही लटकता रहता था। इस वजह से यदि कोई निवेशक कार्यालय में आकर राशि वापसी के संबंध में जानकारी लेना चाहे तो नहीं मिलती थी। कार्यालय में एक-दो कर्मचारी यहां पदस्थ थे। कभी कभार कार्यालय का आधा शटर उठा हुआ देखा जाता था। सहारा के हजारों निवेशकों की भीड़ अपनी जमा पूंजी पाने के लिए कार्यालय में रोजाना पहुंचती थी। करीब 2 साल से सहारा कार्यालय स्थाई रूप से बंद हो चुका है। पहले जो व्यक्ति सहारा में एजेंट थे उनके द्वारा जब तक कार्य था कमीशन में काफी कमाई की गई। जब उनके निवेशकों की जमा पूंजी लौटने को लेकर अनिश्चितता निर्मित हो गई तो संबंधित एजेंट भी अपना पल्ला झाड़ चुके हैं। उनके द्वारा निवेशकों की कोई भी मदद नहीं की जा रही है। जिले के हजारों निवेशक अपनी जमा पूंजी पाने के लिए दर-दर भटकने के लिए मजबूर हैं।